सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 49 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 25 मार्च, 2026
मूल्य ₹ 3/-

किसी से किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता नहीं है। आप स्वयं में जैसे हैं एकदम सही हैं। खुद को स्वीकारिये।

-ओशो

रिंकू सिंह केकेआर के बने... 7 | गाल व तमिलनाडु में सत्ताशीन... 3 | भाजपा का उद्देश्य जनता को... 2

सुप्रीम कोर्ट का सिस्टम के चेहरे पर पड़ा सीधा तमाचा

महिला अधिकारियों को परमानेंट कमीशन व पेंशन का अधिकार

» सेना, नौसेना और वायुसेना में 'व्यवस्थागत भेदभाव' पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

» 23 साल की कानूनी जंग के बाद मिला न्याय

» बड़ा सवाल क्या बदलेगा सिस्टम?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सिर्फ एक कानूनी आदेश नहीं है बल्कि उस सिस्टम पर पड़ा सीधा तमाचा है जो सालों से वर्दी के भीतर भी भेदभाव की दीवार खड़ी किए बैठा था। देश की रक्षा करने वाली सेनाएं जहां अनुशासन सम्मान और समानता की बातें सबसे ज्यादा होती हैं। वहीं महिला अधिकारियों को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया। और अब आखिरकार 23 साल चली लंबी लड़ाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस सच्चाई को खुली अदालत में उजागर कर उसका समाधान दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने सेना, नौसेना और वायुसेना में महिला शार्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) अधिकारियों के साथ हुए व्यवस्थागत भेदभाव पर तीखी टिप्पणी करते हुए साफ कर दिया कि यह समस्या योग्यता की नहीं बल्कि मानसिकता की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि महिलाओं को परमानेंट कमीशन (पीसी) से वंचित करना उनकी क्षमता की कमी नहीं बल्कि सिस्टम में बैठे पूर्वाग्रह का नतीजा है। यह वही सिस्टम है जो हर साल 250 महिलाओं की सीमा तय कर देता है जैसे योग्यता का पैमाना संख्या से तय होता हो। कोर्ट ने इस सीमा को मनमाना बताते हुए खारिज कर दिया। सवाल यही है कि जब देश की रक्षा में कोई सीमा नहीं तो महिलाओं के अवसरों पर यह अदृश्य दीवार क्यों?

20
साल की सेवा मानकर पेंशन दी जाएगी।

सभी को मिलेगा स्थायी कमीशन

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि स्थायी कमीशन अब केवल पुरुष अधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगा। जो महिला एसएससी अधिकारी पहले ही स्थायी कमीशन पा चुकी हैं उनका कमीशन रद्द नहीं किया जाएगा। कोर्ट की कार्यवाही के दौरान जिन महिला अधिकारियों को सेवा से मुक्त कर दिया गया था उन्हें एक बार की राहत के तौर पर 20 साल की सेवा मानकर पेंशन दी जाएगी। हालांकि यह लाभ जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) और आर्मी एजुकेशन कोर (एईसी) कैडर की महिला अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि दिसंबर 2020 में चयन बोर्ड द्वारा अपनाया गया रिवितयों का माडल तर्कसंगत था लेकिन मूल्यांकन के मानदंड और नीतियां समय पर सार्वजनिक नहीं की गयी जिससे महिला अधिकारियों पर नकारात्मक असर पड़ा। दिसंबर 2020 और दिसंबर 2022 के चयन बोर्ड द्वारा दी गई स्थायी कमीशन और पदोन्नति रद्द नहीं होंगी। पुराने फैसलों के आधार पर दिए गए फायदे भी बरकरार रहेंगे। एक बार की राहत के तौर पर कोर्ट ने निर्देश दिया कि नया चयन बोर्ड बुलाने के बजाय कुछ योग्य महिला अधिकारियों को सीधे पदोन्नति दी जाएगी, बशर्ते वे मेडिकल और अनुशासनिक जांच में फिट हों। यह राहत जनवरी 2009 से पहले नौसेना में शामिल हुई एसएससी महिला अधिकारियों को मिलेगी। साथ ही जनवरी 2009 के बाद शामिल हुई महिला अधिकारियों को भी (लॉ, एजुकेशन और नेवल आर्किटेक्चर ब्रांच को छोड़कर) और उन पुरुष एसएससी अधिकारियों को जो सेवा शर्तों की वजह से स्थायी कमीशन से बाहर रखे गए थे। जिन अधिकारी वित्तीय वर्ष 2025 में सेवा से मुक्त हो गए, उन्हें भी 20 साल की सेवा मानकर पेंशन दी जाएगी। उनकी पेंशन 1 जनवरी 2025 से लागू मानी जाएगी। 2019, 2020 और 2021 के चयन बोर्ड द्वारा जिन एसएससी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन दिया गया, उसे रद्द नहीं किया जाएगा। एक बार की राहत के रूप में इन चयन बोर्डों में शामिल सभी एसएससी अधिकारियों (पुरुष और महिला) को 20 साल की सेवा पूरी मानकर पेंशन और अन्य लाभ दिए जाएंगे, लेकिन बकाया वेतन नहीं मिलेगा।

"देश की रक्षा करने वाली सेनाएं जहां अनुशासन सम्मान और समानता की बातें सबसे ज्यादा होती हैं। वहीं महिला अधिकारियों को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया।

पूरे समाज के लिए आईना है फैसला

इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट कई बार महिलाओं के पक्ष में फैसले दे चुका है। लेकिन हकीकत यह है कि उन फैसलों का असर जमीन पर सीमित दिखायी दिया। हालांकि कुछ बदलाव तो जरूर हुए लेकिन मूल समस्या जस की तस बनी रही। यही वजह है कि इस बार का फैसला जितना बड़ा दिखता है उतना ही बड़ा सवाल भी खड़ा करता है कि क्या सिस्टम इस बार सच में बदलेगा या फिर यह आदेश भी फाइलों में दबकर रह जाएगा? अगर सेना जैसे अनुशासित और संरचित संस्थान में सिस्टमिक डिस्क्रिमिनेशन मौजूद है तो बाकी सेक्टर्स की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं। यह फैसला सिर्फ सेना के लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए आईना है।

मिलेगी पूरी पेंशन

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जिन महिला अधिकारियों को परमानेंट कमीशन नहीं मिला उन्हें अब पेंशन के लिए न्यूनतम 20 साल की सेवा पूरी करने वाला माना जाएगा। यानी अब उन्हें उनके हक से वंचित नहीं रखा जा सकता। यह सिर्फ एक राहत नहीं है बल्कि एक स्वीकारोक्ति है कि उनके साथ अन्याय हुआ। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। कोर्ट ने यह भी पाया कि सेना और नौसेना में महिला अधिकारियों का मूल्यांकन ही गलत तरीके से किया गया। यानी जो प्रक्रिया निष्पक्ष होनी चाहिए थी वहां भी भारी पक्षपात हुआ। अब कोर्ट ने चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और डायनेमिक वैकेंसी माडल को अपनाने के निर्देश दिए हैं।

अब बहाने की गुंजाइश कम है

यह भी ध्यान देने वाली बात है कि कोर्ट ने सिर्फ टिप्पणी नहीं की है बल्कि ठोस आदेश दिए हैं कि पेंशन, परमानेंट कमीशन, पारदर्शिता और मनमानी सीमाओं पर रोक। यानी अब बहाने की गुंजाइश कम है। लेकिन असली लड़ाई कोर्ट के आदेश से नहीं उसके क्रियान्वयन से जीती जाएगी। क्योंकि भारत में कानून बनाना आसान है लेकिन उसे जमीन पर उतारना कठिन काम है। यह फैसला एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी उन लोगों के लिए, जो अब भी पुराने ढर्रे पर चलना चाहते हैं। और अवसर उन महिला अधिकारियों के लिए जिन्होंने सालों तक संघर्ष किया और अब जाकर न्याय पाया। यह सिर्फ एक कानूनी जीत नहीं बल्कि मानसिकता की लड़ाई में एक बड़ा कदम है लेकिन याद रखिए यह अंत नहीं शुरुआत है।

भाजपा का उद्देश्य जनता को गुमराह करना : अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- बीजेपी लाल टोपी व लाल सिलेंडर से डरती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बीजेपी लाल टोपी व लाल सिलेंडर से डरती है। इससे पहले एलपीजी मुद्दे पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए इसे लपाता गैस करार दिया।

पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत के कूटनीतिक दृष्टिकोण पर बोलते हुए यादव ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य जनता को गुमराह करना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने एलपीजी को नया नाम दिया है- लपाता गैस... अगर वे युद्ध शुरू होने से ठीक पहले ईरान और अमेरिका को समझाने में सफल हो जाते, तो न तो ईरान को इतना नुकसान होता और न ही इतनी जानें जातीं... लेकिन ये अजीब लोग हैं जो हर अवसर को बर्बाद कर देते हैं। इन्होंने मेक इन इंडिया का सपना दिखाया था... ये लोग सिर्फ जनता को गुमराह करना चाहते हैं।

भारत की पहचान का प्रतीक-हम सब एक हैं

अभी कु छ दिन पहले अखिलेश यादव ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के साथ महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अबू आज़मी द्वारा आयोजित इफ़तार पार्टी में भाग लिया। नेताओं ने भोजन किया और हम सब एक हैं लिखे हुए पोस्टर पकड़े। मीडिया से बात करते हुए यादव ने इसे भारत की पहचान का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि मुझे अबू आज़मी का हमें आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद और यहां उपस्थित सभी लोगों को हार्दिक बधाई। यही भारत का मूल्य है। हम एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होते हैं और खुशियां और शुभकामनाएं बांटते हैं। कुछ दिन पहले होली थी, और हमने रंगों और मिठाइयों से एक-दूसरे को बधाई देकर वह त्योहार मनाया। इसी तरह ईद आ रही है, और हम उसे भी मिठाइयों से एक-दूसरे को बधाई देकर मनाएंगे। यही हमारे देश की सबसे बड़ी पहचान है।

केवल धर्म के नाम पर राजनीति हो रही : आजमी

'दावत-ए-इफ्तार' में महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अबू आसिम आज़मी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वास्तविकता यह है कि जो धर्मांतरण विरोधी विधेयक पेश किया गया है, उसके पीछे वे केवल धर्म के नाम पर राजनीति करना चाहते हैं। ऐसे विधेयक लाकर वे केवल जनता में भ्रम फैलाना चाहते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा स्थापित कानूनी ढांचा इस राष्ट्र के शासन के लिए सबसे मजबूत आधार है; यह हर धर्म के लिए समानता सुनिश्चित करता है। इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप करके सांप्रदायिकता को बढ़ावा देकर ये लोग केवल घृणा भड़काना चाहते हैं, इससे अधिक कुछ नहीं।

नीतीश ही पार्टी हैं : ललन सिंह

जदयू चीफ के तौर पर फिर हुई ताजपोशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जनता दल (यूनाइटेड) का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया है क्योंकि इस पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया था। केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता राजीव रंजन (ललन) सिंह ने कहा कि इस पार्टी (जेडीयू) की स्थापना नीतीश कुमार ने की थी और उन्होंने ही इसे इतना ऊंचा उठाया है।

अगर वे निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाते हैं, तो इसमें बड़ी बात क्या है? नीतीश कुमार हमारे सर्वमान्य नेता हैं। जेडीयू नेता अनिल हेगड़े ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव की समय-सारणी बताते हुए कहा कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 22 मार्च थी, नामांकन पत्रों की जांच 23 मार्च को हुई और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 24 मार्च को सुबह 11 बजे थी। केवल नीतीश कुमार का नामांकन प्राप्त होने पर उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। हेगड़े ने कहा कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 22 तारीख थी, नामांकन पत्रों की जांच 23 तारीख को हुई और आज सुबह 11 बजे तक नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि थी। चूंकि केवल एक ही नामांकन दाखिल हुआ है ङ्क वर्तमान अध्यक्ष नीतीश कुमार का इसलिए मैं नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित करता हूं। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने नीतीश कुमार के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए पार्टी की नींव को उनके समर्पण का श्रेय दिया। झा ने बताया कि पार्टी की उत्पत्ति 1994 में समता पार्टी के गठन से हुई थी, जब झारखंड और बिहार एक ही राज्य थे।

झा ने पत्रकारों से कहा कि इस पार्टी का निर्माण नीतीश कुमार ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से किया था। जब पार्टी का गठन हुआ था, तब झारखंड और बिहार एक ही थे। 1994 में समता पार्टी का गठन हुआ और यहीं से हमारी यात्रा शुरू हुई। आज, 2026 में, हम यहाँ बैठे हैं, लगभग 32 साल बाद। यह 32 साल का सफर बहुत महत्वपूर्ण है।

खासकर अब, जब हम दिल्ली में हैं, तो यह उल्लेखनीय है कि पहले भारत के अन्य हिस्सों और विदेशों में रहने वाले बिहार के लोग हीन भावना से ग्रस्त हुआ करते थे। किसी को विश्वास नहीं था कि बिहार बदल सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन के साथ गठबंधन में नीतीश कुमार के कार्यकाल को विकास के एक नए युग की शुरुआत का श्रेय दिया।

सीएम विजयन व भाजपा में मिली भगत : सनी जोसेफ

» मुख्यमंत्री के कांग्रेस व राहुल पर आरोप निराधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष और पेरावुर विधायक सनी जोसेफ ने मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर बार-बार निराधार आरोप लगा रहे हैं।

जोसेफ ने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के खिलाफ देशभर में जोरदार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह प्रभावशाली प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे हैं। कांग्रेस विधायक ने सीपीआई (एम) और भाजपा के बीच गुप्त मिलीभगत का आरोप लगाया और कहा कि विजयन आगामी विधानसभा चुनावों में सीपीआई (एम)-भाजपा गठबंधन को फायदा पहुंचाने के लिए ही ये आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन प्रधानमंत्री के खिलाफ एक शब्द भी बोलने को तैयार नहीं होते। क्या सीपीआई(एम) का केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री के इस रुख का समर्थन करता है? हम सब जानते हैं कि तमिलनाडु में सीपीआई(एम) के उम्मीदवार भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तस्वीर का इस्तेमाल करके वोट मांग रहे हैं। हम जानते हैं कि भाजपा के खिलाफ खुलकर बोलने और दृढ़ राजनीतिक रुख अपनाने के कारण उनके खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में 30 से अधिक मामले सटीक रूप से 36 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। भाजपा नेताओं ने उन्हें कानूनी मामलों में फंसाकर पीछे हटने पर मजबूर करने की कोशिश की, लेकिन राहुल गांधी धर्मनिरपेक्ष भारत के चेहरे और नेता के रूप में साहसपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। जोसफ ने कहा कि देश ने वायनाड से राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने के दुर्भावनापूर्ण प्रयासों को देखा। मुख्यमंत्री इस पर चुप क्यों हैं।

जदयू को खत्म करना चाहती है बीजेपी : तेजस्वी

राजद नेता बोले- नीतीश कुमार को जबरन राज्यसभा भेजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब से यह सरकार सत्ता में आई है, आम नागरिकों और गरीबों को परेशानी झेलनी पड़ी है। नोटबंदी के दौरान, कोविड के दौरान और अब गैस की कमी के समय आपने इसे देखा ही होगा। इसका मतलब है कि सरकार पूरी तरह विफल हो गई है।

सरकार का काम यह सुनिश्चित करना है कि जनता को कोई परेशानी न हो। अगर कमी है, तो आपने क्या व्यवस्था की है? आपने ऐसी क्या रणनीति बनाई है जिससे हमारे आम नागरिकों को असुविधा न हो? तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री राज्यसभा जाना नहीं चाहते थे। उन्हें जबरदस्ती राज्यसभा भेजा जा रहा है। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि भाजपा जनता दल यूनाइटेड को खत्म करना चाहती है। हम सिर्फ इतना कहेंगे कि मुख्यमंत्री राष्ट्रपति बन गए हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के फैसले अंतिम नहीं होते। मुख्यमंत्री का चेहरा सामने रखकर जनता दल यूनाइटेड के कुछ लोग खुद फैसले लेते हैं। उन्होंने भाजपा के साथ जनता दल यूनाइटेड को खत्म करने का समझौता किया है। वे इसी काम में लगे हुए हैं। दूसरी ओर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुन लिये गए, क्योंकि पार्टी के शीर्ष पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। नीतीश दिसंबर 2023 में लोकसभा चुनाव से पहले ललन सिंह के जद(यू) अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद से ही पार्टी के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। नीतीश (75) हाल ही में हुए चुनावों में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं।

लालू यादव को कोर्ट से बड़ा झटका, एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लालू प्रसाद यादव की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कथित भूमि-बदले-नौकरी मामले में सीबीआई की एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी। इससे आरजेडी प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री को झटका लगा है। सुनवाई के दौरान, अदालत ने याचिका को सारहीन और निराधार बताते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द करने के अनुरोध को खारिज कर दिया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ाई : सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर से लोकसभा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 5 रुपये की भारी बढ़ोतरी पर निशाना साधा। जिस पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भाजपा और सांसद अनुराग ठाकुर पर पलटवार किया है।

बता दें कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर अनाथ और विधवा सेस लगाने का फैसला किया है। विधानसभा में भारी विरोध और विपक्ष के वॉकआउट के बीच यह संशोधन विधेयक पास हो गया है। जिसका काफी विरोध हो रहा है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हिमाचल भाजपा इस समय अंदरूनी गुटबाजी से जूझ रही है और पांच अलग-अलग गुटों में बंटी हुई है। इस राजनीतिक खींचतान के बीच, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर अपने गुट की राजनीतिक अहमियत तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देकर, वे केंद्रीय मंत्रिमंडल में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश कर रहे हैं। सच तो यह है कि राज्य सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ाई हैं। केंद्र में वित्त राज्य मंत्री रह चुके होने के बावजूद, ऐसा लगता है कि उन्हें कानून की समझ नहीं है। सेस से जुड़ा बिल अभी तक कानून नहीं बना है, फिर भी जनता को गुमराह करने की कोशिशें की जा रही हैं। हकीकत यह भी है कि हरियाणा समेत भाजपा-शासित कई राज्यों में, ईंधन की कीमतें अभी भी हिमाचल प्रदेश से ज्यादा हैं।

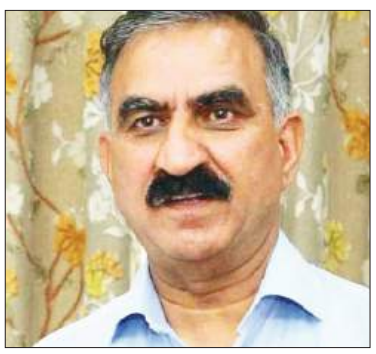

बंगाल व तमिलनाडु में सत्ताशीन दलों ने कसी कमर

भवानीपुर में ममता बनर्जी की बड़ी जीत का खाका तैयार

ममता व स्टालिन ने झोंकी पूरी ताकत

» डीएमके व टीएमसी ने जीत के दावे किये

» पांच राज्यों में चुनावी बिसात बिछने लगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में चुनावी बिसात बिछ चुकी है। ममता बनर्जी से लेकर एमके स्टालिन तक तैयारी में मजबूती से जुट गए हैं। दोनों ही मुख्यमंत्री अपने-अपने राज्यों को फिर जीतने की कोशिश में लगे हैं। इन सबके बीच सत्ता में बैठी टीएमसी व डीमके ने बड़ी जीत के लिए खाका बुनना प्रारंभ कर दिया है। दोनों ने बड़ी जीत का दावा किया। इसबीच भाजपा के साथ कांग्रेस ने भी बाजी पलटने के लिए पूरी ताक झोंक दी है।

इसी सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गृह नगर भवानीपुर में एक संगठनात्मक बैठक आयोजित की, जहां पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में इस सीट पर बनर्जी की 60,000 से अधिक वोटों से जीत सुनिश्चित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया। दक्षिण कोलकाता के अहिंद्रा मंच पर आयोजित एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कार्यकर्ताओं के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया। सूत्रों के अनुसार, बंद कमरे में हुई बैठक में तृणमूल प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं को आत्मसंतोष के प्रति आगाह किया और उनसे मतदान समाप्त होने के बाद स्ट्रांग रूम पर नजर रखने को कहा। वहीं डीएमडीके नेता एलके सुधीश ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में डीएमके गठबंधन की 200 से अधिक सीटों पर जीत का दावा करते हुए एआईएडीएमके की बड़ी हार की भविष्यवाणी की है।

भवानीपुर का गणित

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा तथा मतों की गिनती चार मई को होगी। यह संगठनात्मक बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भाबानीपुर लंबे समय से ममता बनर्जी का राजनीतिक गढ़ माना जाता रहा है और इसके आगामी चुनावों में एक हाई-प्रोफाइल मुकाबले का गवाह बनने की उम्मीद है, क्योंकि भाजपा ने उनके खिलाफ विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है।

भवानीपुर में मुकाबला दीदी बनाम शुभेंदु

आगामी चुनावों में भवानीपुर सीट पर सबकी नजरें टिकी होंगी। भाजपा ने यहाँ से विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारने का फैसला किया है, जिससे यह मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है।

स्ट्रांग रूम पर नजर रखें टीएमसी कार्यकर्ता

नंदीग्राम में 2021 के विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान हुई नाटकीय घटनाओं को याद करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि मतगणना के दौरान अचानक बिजली कटौती ने परिणाम की दिशा बदल दी थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, नंदीग्राम में जो हुआ उसे याद रखें। बिजली गुल हो सकती है। आपको स्ट्रांग रूम पर नजर रखनी

होगी। ममता बनर्जी ने भी सभा को संबोधित करते हुए चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुए हालिया प्रशासनिक परिवर्तनों पर चिंता व्यक्त की और केंद्र पर राज्य के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। ममता ने कार्यकर्ताओं से कहा, ''पिछले तीन दिनों में 50 अधिकारियों को हटाया जा चुका है। अगर कुछ भी होता है तो नरेन्द्र मोदी और निर्वाचन आयोग को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी।'' तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का भी जिक्र किया और कहा कि पार्टी समस्या का सामना करने वाले मतदाताओं को कानूनी सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, ''कल एक पूरक सूची प्रकाशित की जाएगी। यदि किसी का नाम सूची से हटा दिया जाता है या उन्हें कोई कठिनाई होती है, तो हम कानूनी सहायता प्रदान करेंगे।

डीएमडीके का दावा- डीएमके गठबंधन की 200 से अधिक सीटों पर होगी जीत

डीएमडीके नेता एलके सुधीश ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में डीएमके गठबंधन की 200 से अधिक सीटों पर जीत का दावा करते हुए एआईएडीएमके की बड़ी हार की भविष्यवाणी की है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब डीएमके और डीएमडीके के बीच सीट-बंटवारे पर बातचीत अंतिम चरण में है, जो राज्य में प्रमुख गठबंधनों के बीच एक तीव्र राजनीतिक मुकाबले का संकेत देता है। राज्यसभा सांसद और देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कजगम (डीएमडीके) के कोषाध्यक्ष एलके सुधीश ने विश्वास व्यक्त किया कि द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के नेतृत्व वाला गठबंधन आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में निर्णायक जीत हासिल करेगा, और भविष्यवाणी की कि गठबंधन 200 से अधिक सीटें जीतेगा। उन्होंने विपक्ष की आलोचना करते हुए दावा किया कि अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (एआईएडीएमके) चुनावों में पूरी तरह से हार की ओर बढ़ रही है।

कम से कम 232 बूथों पर जीत सुनिश्चित करने की मंशा

अभिषेक बनर्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि भवानीपुर में 287 मतदान केंद्र हैं और उनसे पार्टी के पिछले प्रदर्शन को बेहतर करने को कहा। उन्होंने कहा, ''जब ममता बनर्जी ने पहले यहां चुनाव लड़ा था, तब हमने 231 बूथों पर जीत हासिल की थी। इस बार हमें उस आंकड़े को पार करना होगा और कम से कम 232 बूथों पर जीत सुनिश्चित करनी होगी।'' तृणमूल कांग्रेस सांसद ने बूथ अध्यक्षों से अपने-अपने मतदान क्षेत्रों के ''सतर्क संरक्षक'' के रूप में कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि स्थानीय समितियों के भीतर आंतरिक मतभेदों का संगठनात्मक प्रयासों पर प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। उपस्थित लोगों में तृणमूल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी, कोलकाता के महापौर फिरहाद हकीम, दक्षिण कोलकाता जिला अध्यक्ष देबाशीष कुमार और क्षेत्र के पार्षद शामिल थे। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने सावधानी बरतने की बात कही और उनसे मतदान समाप्त होने के बाद भी सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, अब से सतर्क रहें। मतदान समाप्त होने के बाद घर न जाएं। स्ट्रांग रूम पर नजर रखें।

भतीजे अभिषेक ने बूथ स्तर के नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों से की चर्चा

तृणमूल कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, चेतला के अहिंद्रा मंच में एक बंद कमरे में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक ने बूथ स्तर के नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि भवानीपुर को कोलकाता में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले निर्वाचन क्षेत्र के रूप में उभरना चाहिए। उन्होंने कहा, कोलकाता में भाबानीपुर को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ममता बनर्जी 60,000 से अधिक वोटों से जीतें। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि इस निर्वाचन क्षेत्र के तृणमूल का गढ़ होने के

बावजूद वे आत्मसंतोष में न पड़ें। स्थानीय पार्षदों, बूथ कार्यकर्ताओं और संगठनात्मक नेताओं की उपस्थिति में हुई यह बैठक, विधानसभा चुनावों से पहले भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में बूथ स्तर पर पार्टी की कार्यप्रणाली को मजबूत करने के पार्टी के प्रयासों का हिस्सा थी।

मुख्य मुकाबला डीएमके गठबंधन व एआईएडीएमके एनडीए में

गठबंधन में मुख्य मुकाबला डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन और एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बीच होने की आशंका है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) भी शामिल हैं। अभिनेता कमल हासन के नेतृत्व वाली मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) भी डीएमके के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत कर रही है, जो चुनावों से पहले एक व्यापक गठबंधन रणनीति का संकेत देता है।

एआईएडीएमके को चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ेगा : सुधीश

तिरुप्पत्तूर जिले के अंबूर के पास मुरपोक्कू द्रविड़ कजगम (डीएमडीके) के कोषाध्यक्ष सुधीश ने कहा कि डीएमडीके के गठबंधन में शामिल होने से पहले भी डीएमके लगभग 200 सीटें जीतने की मजबूत स्थिति में थी। हमारे समर्थन से गठबंधन आसानी से इस आंकड़े को पार कर जाएगा। एआईएडीएमके को चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ेगा। रमजान की नमाज़ में 30,000 से अधिक लोग शामिल हुए, जिसके बाद सुधीश ने मुस्लिम समुदाय के सदस्यों का

अभिवादन किया। अंबूर के विधायक वी विल्वनाथन और डीएमके के कई नेता भी उपस्थित थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

वायु प्रदूषण अब पूरी दुनिया में खतरनाक मोड़ पर

वायु प्रदूषण अब पूरी दुनिया में खतरनाक हो गया है। एक तो आधी दुनिया में कहीं न कहीं लड़ाई छिड़ी है। मिसाइलों व बमों कि गिरने से हो रहे प्रदूषण का असर बाद में होगा उससे पहले ही यह प्रदूषण गंभीर जानलेवा समस्या बन गया है। यह शरीर के हर अंग को प्रभावित कर रहा है। इसका मस्तिष्क पर भी गंभीर असर पड़ रहा है, जिससे डिमेंशिया का खतरा बढ़ गया है। कारण अब वातावरण में मानक से भी ढाई गुणा ज्यादा प्रदूषक कण मौजूद हैं। अब तो वायु प्रदूषण बच्चों की बुद्धिमता पर भी असर डाल रहा है। एनपीजे क्लीन एयर नाम से प्रकाशित शोध में इस तथ्य का खुलासा हुआ है कि वायु प्रदूषण के कारण इंसान की सोचने-समझने की शक्ति आइक्यू भी प्रभावित हो रही है। बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कुल 134 देशों में मौजूद 7800 से अधिक शहरों में सेटेलाइट से सूक्ष्म कणों के लॉन्ग-लीनियर मॉडल का इस्तेमाल कर गणना की कि वायु प्रदूषण का आइक्यू पर कितना असर पड़ सकता है।

शोध के अनुसार इससे बच्चों का विकास सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। यही नहीं सूक्ष्म कणों के असर से गर्भवती महिलाओं पर इसका ज्यादा खतरा है। गर्भावस्था के दौरान सूक्ष्म कणों का प्रभाव (1 से 6 अंक की हानि) या शराब के सेवन (3 से 7 अंक की हानि) जैसे स्थापित जोखिम कारकों के समान है। विकासशील देशों पर प्रदूषण की सबसे ज्यादा मार है। वहां यह नुकसान 19 अंक तक हो सकता है जबकि वैश्विक औसत 1 अंक से 2 अंक के बीच है। सबसे दुखदायी यह है कि 15 साल से कम उम्र के लगभग 2.02 करोड़ बच्चे इस प्रदूषण के शिकार हैं। हकीकत यह है कि वायु प्रदूषण से हर साल तकरीबन 20 लाख से ज्यादा लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज 93 फीसदी बच्चे प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। जहां तक दिल्ली का सवाल है, वह आज भी सबसे गंभीर वायु प्रदूषण का सामना करने को विवश है। इसका एक सबसे बड़ा कारण यह है कि यहां पीएम 2.5 का सालाना औसत आज भी सर्वाधिक है। चिंतनीय यह कि यहां पर गंभीर और आपात श्रेणी के वायु गुणवत्ता वाले दिनों की तादाद सबसे ज्यादा दिनों की अवधि तक बनी रहती है। अब तो सर्दियों के दिनों में उत्तरी भारत के मुकाबले साफ माने जाने वाले देश के दक्षिणी राज्यों के प्रमुख शहर चेन्नई और बेंगलूरु में वायु गुणवत्ता बिगड़ने के संकेत मिल रहे हैं जो एक खतरनाक नया जोखिम है। इसके पीछे मौसम को जिम्मेदार बताया जा रहा है।

अब तो वायु प्रदूषण बच्चों की बुद्धिमता पर भी असर डाल रहा है। एनपीजे क्लीन एयर नाम से प्रकाशित शोध में इस तथ्य का खुलासा हुआ है कि वायु प्रदूषण के कारण इंसान की सोचने-समझने की शक्ति आइक्यू भी प्रभावित हो रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पानी से जुड़ा लैंगिक समानता का मुद्दा

दीपक कुमार शर्मा

पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता की रीढ़ भी है। खेती, उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जीवन, सब कुछ पानी पर निर्भर है। इसके बावजूद आज दुनिया गंभीर जल संकट का सामना कर रही है। यह संकट केवल पानी की कमी का नहीं, बल्कि उसके असमान वितरण, प्रबंधन की विफलता और सामाजिक असंतुलन का भी है। इसी बारे में चेतना जगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाता है। विश्व जल दिवस की शुरुआत 1993 में हुई थी, जब महसूस किया गया कि पानी से जुड़ी समस्याओं को केवल तकनीकी या स्थानीय मुद्दा मानकर नहीं सुलझाया जा सकता। यह एक वैश्विक चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। हर वर्ष एक विशेष विषय चुनकर पानी के किसी एक पहलू पर फोकस किया जाता है, ताकि नीति निर्धारकों व नागरिकों को स्पष्ट दिशा मिल सके।

वर्ष 2026 के लिए विश्व जल दिवस की थीम है पानी और लैंगिक समानता। इसका संदेश है जहां पानी बहता है, वहां समानता बढ़ती है। जल संकट का प्रभाव सभी पर समान नहीं पड़ता। समाज के कुछ वर्ग खासकर महिलाएं व लड़कियां, पानी की कमी और खराब जल प्रबंधन से अधिक प्रभावित होती हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में घर के लिए पानी लाने की जिम्मेदारी महिलाओं पर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में दूर-दूर से पानी लाना सामान्य बात है। इस प्रक्रिया में उनका समय, ऊर्जा और स्वास्थ्य तीनों प्रभावित होते हैं। जब कोई लड़की रोज कई घंटे पानी लाने में लगाती है, तो उसका स्कूल जाना बाधित होता है। जब कोई महिला भारी बर्तन उठाकर लंबी दूरी तय करती है, तो उसका स्वास्थ्य कमजोर होता है। यहां प्रश्न केवल पानी उपलब्ध होने या न होने का नहीं है, बल्कि यह है कि पानी की कमी किसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। आंकड़े बताते हैं कि पेयजल की सुविधाओं की कमी का सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है।

विश्व जल दिवस 2026 की थीम जोर देती है कि पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए महिलाओं को जल प्रबंधन, योजना निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना जरूरी है। अनुभव बताता है कि जहां स्थानीय जल समितियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, वहां जल स्रोतों का रखरखाव बेहतर हुआ और जल उपयोग अधिक जिम्मेदारी से किया गया। भारत

जैसे देश में यह विषय और अधिक प्रासंगिक है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, वहीं यहां क्षेत्रीय जल असमानता बहुत गहरी है। कहीं बाढ़ की समस्या, तो कहीं सूखा। दोनों ही स्थितियों में महिलाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने भारत में हर घर नल से जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे कई क्षेत्रों में महिलाओं का समय बचा है, जिसे वे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में लगा पा रही हैं। इससे स्पष्ट है कि जब पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होती है, तो समानता की दिशा में भी ठोस प्रगति होती है। पानी को यदि केवल संसाधन मानकर देखा जाएगा, तो समाधान भी सीमित रहेंगे। लेकिन जब पानी को मानव अधिकार और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से देखा जाता है, तब नीतियां अधिक समावेशी बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र ने सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता को मानव अधिकार के रूप में मान्यता दी है। यानी समाज में पानी की उपलब्धता केवल सुविधा नहीं, बल्कि अधिकार है, और इस अधिकार से किसी भी वर्ग को वंचित नहीं किया जा सकता। लैंगिक समानता के बारे में जरूरी है कि जल क्षेत्र में महिलाओं को नेतृत्व के मौके मिलें। इंजीनियरिंग, योजना निर्माण, प्रशासन और निगरानी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से जल प्रबंधन अधिक संवेदनशील व व्यावहारिक बनेगा। महिलाएं जल संकट को केवल आंकड़ों के रूप में नहीं, बल्कि रोजमर्रा जीवन के अनुभव के रूप में समझती हैं। यही अनुभव नीतियों को जमीन से जोड़ता है। विश्व जल दिवस 2026 सोचने पर मजबूर करता है कि जल संकट का हल केवल पाइपलाइन, टंकी या परियोजनाओं से नहीं होगा।

जब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा कि पानी की कमी असमानता पैदा करती है, तब तक समाधान अधूरा रहेगा। समानता का अर्थ सिर्फ अधिकार देना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और निर्णय में भागीदारी भी है। पानी का विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की रक्षा और समाज में जागरूकता फैलाना, ये सभी कदम समानता में योगदान देते हैं। विश्व जल दिवस 2026 का संदेश अत्यंत स्पष्ट और दूरगामी है। जहां पानी सुरक्षित, सुलभ और समान रूप से उपलब्ध होगा, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय मजबूत होंगे।

युद्ध और कला व संस्कृति की क्षति

ज्योति मल्होत्रा

चंडीगढ़ के सेक्टर-9 में दिन-दहाड़े हुई एक हत्या को लेकर पिछले कुछ दिनों से शहर हिला और सहमा हुआ है। शहर का वह हिस्सा, जो अपने लाल सुर्ख बोगनवेलिया फूलों के लिए बेहतर जाना जाता है न कि गोलियों की बौछार के बाद स्थानीय गैंगस्टर के बिखरे लाल लहू के रंग से। चूंकि घटना के कई निष्कर्ष हो सकते हैं, बेहतर होगा कि हम आगे बढ़ें और पास के सेक्टर-10 की बात करें। यहां पिछले कुछ महीनों से ली कॉर्बूजिए द्वारा डिजाइन सरकारी संग्रहालय और आर्ट गैलरी में एक अलग किस्म की हिंसा जारी है। गनीमत है कि यहां जंग जुबानी रही-वह जगह जो कभी पंजाब के सबसे बड़े संस्कृति एवं कला विद्वान, बी.एन. गोस्वामी का अड्डा हुआ करती थी-वह नवीनीकरण योजना के कारण अब थमती नजर आ रही है, जिसे हाल में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को सौंपा गया है; जिसकी लागत 30 करोड़ रुपये अनुमानित है।

जब आपके आस-पास हर तरफ अफरा-तफरी मची हो, जिसमें ईरान के इस्फहान और खरग द्वीप पर हुई बमबारी भी शामिल है (ये दुनिया के दो सबसे खूबसूरत शहरों में से हैं, तुर्रा यह कि बमबारी दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र, अमेरिका द्वारा की जा रही है)-तो आप सवाल पूछ सकते हैं, क्या एक संग्रहालय मायने रखता है? या, क्या एक संस्कृति मायने रखती है? क्या तेल की कीमतों को कम रखना ज्यादा जरूरी है? शायद इसीलिए कहा जा रहा है कि अमेरिकी अब खरग द्वीप पर कब्जा करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि ईरानियों पर दबाव डालकर 'होर्मुज जल-डमरू' को फिर से खोला जा सके, जिससे होकर दुनिया का एक-तिहाई तेल गुजरता है। दरअसल, खरग द्वीप पर तेल-शोधन का एक विशाल संयंत्र है, जिसके माध्यम से ईरान के कुल निर्यात का 90 प्रतिशत तेल साफ किया जाता है। 13 मार्च को हुई बमबारी में, ट्रंप ने तेल सुविधाओं को बख्श दिया था। लेकिन जैसे-जैसे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, ऐसी अफवाहें हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान को जल्द घुटने टेकने पर मजबूर करने को और भी कड़े कदम उठा सकते हैं।

केवल पांच मील लंबा होने के कारण, खरग द्वीप को एक आकर्षक विकल्प माना जा रहा है। उल्लेखनीय कि यह टापू 500 साल पुराने एक पुर्तगाली मठ का भी स्थान है-कुछ लोगों का मानना है कि इसका श्रेय 1507 में एशिया में पुर्तगाली साम्राज्य की नींव रखने वाले जनरल अल्फोंसो डी अल्बुकर्क को है। गोवा को भी अल्बुकर्क ने 1510 में बीजापुर के सुल्तान से लिया था। इसके महज 16 साल बाद, 1526 में, यहीं उत्तर भारत में, फरगना के तैमूरी शहजादे जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर ने पानीपत में अपने ही एक मुस्लिम बिरादर, इब्राहिम लोदी को हराकर, जल्द ही खुद को हिंदुस्तान का बादशाह घोषित कर डाला था। आज जब हमारे टीवी स्क्रीन पर युद्ध के विस्फोटों के दृश्य चल रहे हैं, तो साम्राज्यों के उदय और पतन और उससे जुड़ी हिंसा को समझना ज्यादा आसान हो जाता है। पंजाब भारत के उन दो राज्यों में से एक है (दूसरा है बंगाल), जिसकी गहरी यादें विभाजन की बर्बरता से जुड़ी हैं; राजकीय संग्रहालय और कलादीर्घाएं 1947 में देश के बंटवारे का जीती-जागती गवाह हैं।

दुखद है कि बंटवारे के परिणामवश हुई हिंसा में दस लाख से ज्यादा लोग मारे गए और लगभग 1.7 करोड़ लोग एक देश से दूसरे मुल्क में विस्थापित हुए— हर चीज, यहां तक कि सांस्कृतिक कलाकृतियों का भी बंटवारा हुआ था। प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस ने इसी माह खुशवंत सिंह की किताब 'ट्रेन टू पाकिस्तान' का संस्करण पुन: जारी किया है, इसकी प्रस्तावना बेजोड़ पाकिस्तानी इतिहासकार एफ.एस. ऐजाजुद्दीन ने लिखी है। लाहौर संग्रहालय ने अतुलनीय गांधार मूर्तियों का 60 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रखा, जबकि शेष हिस्सा चंडीगढ़ संग्रहालय को मिला, जिसमें 627 कलाकृतियां थीं। यहां तक कि बुद्ध के पदचिह्न, जिन्हें 'बुद्धपाद' कहा जाता है, तीसरी सदी की ग्रेनाइट की बनी इस कलाकृति को भी नहीं बख्शा गया। एक पदचिह्न लाहौर ने अपने पास रखा और दूसरा चंडीगढ़ को मिला। ऊपरी मंजिल पर चलिए, मूर्ति दीर्घा की ओर, तब आपको इस खूबसूरत संग्रहालय में लगातार हो रही वह हिंसा देखने को मिलेगी जिससे मेरा अभिप्राय है। पिछले कुछ समय से छत से पानी टपक रहा है, इसलिए प्राचीन मूर्तियों को ऐसे आवरण से ढक रखा है जो पहले कहीं और इस्तेमाल की जा चुकी 'बबल रैप शीट' जैसा है। काम अभी भी बेतरतीब और धीरे-धीरे चल रहा है। कई सौ साल पुरानी बोधिसत्व की खड़ी मूर्ति पर सुतली से बंधा बबल रैप शीट हटाते हुए एक परिचायक ने कहा 'इधर देखिए,' और साथ ही यह भी जोड़ा कि उसे प्लास्टिक की पन्नी हटाने की मनाही है, लेकिन मैं देखने की इच्छुक थी।

संग्रहालय की नई व मिलनसार निदेशक, ईशा कंबोज का कहना है कि वह संग्रहालय के जीर्णोद्धार योजना को पूरा करने के लिए पूरी तरह से दृढ़-संकल्पित हैं। खुशकिस्मती से, केंद्र सरकार इस बात से वाकिफ है कि भारत का उभरता मध्यम वर्ग देश के गौरवशाली अतीत में कितनी गहरी दिलचस्पी ले रहा है-दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय, 'युगे युगीन', नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक को दफ्तरों से खाली करने के बाद वहां आकार लेने लगा है। चंडीगढ़ संग्रहालय के लिए, 'प्रधानमंत्री संग्रहालय' यानी भारत के प्रधानमंत्रियों पर बना संग्रहालय, जो कभी नेहरू संग्रहालय हुआ करता था— को नमूने के तौर पर माना जा रहा है। विभाजन के दौरान सांस्कृतिक धरोहरों का बंटवारा एक अजीब-सी जिद तक ही सीमित रहा।

राम का जन्म

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी का जन्म 5114 ईस्वी पूर्व 880100 वर्ष पहले हुआ है।

रामनवमी

पर राम के साथ दुर्गा माता की भी होती है विशेष पूजा

चैत्र नवरात्रि का हर दिन सनातन धर्म में बहुत महत्व रखता है। लेकिन नवरात्रि का नवां दिन यानि रामनवमी का पवित्र दिन और भी विशेष हो जाता है। इस दिन भगवान राम की पूजा के साथ-साथ दुर्गा माता की भी पूजा की जाती है। हिंदु धर्म का अनुपम महाकाव्य रामायण वाल्मीकि द्वारा रचित है। त्रेतायुग की राम की कथा का इस महाकाव्य में वर्णन किया गया है। भारत के उत्तरी क्षेत्रों में नवरात्रि को ज्यादा महत्व दिया जाता है, लेकिन दक्षिण भारत में मात्र एक पर्व को मनाया जाता है। इस एक दिन का हिन्दू धर्म में इतना ज्यादा महत्व है कि लोग इस दिन का इंतजार इसलिए करते है कि वह अपने नए घर और दुकान का शुभारंभ कर सकें। रामनवमी के दिन ही वह दुकान और घर की प्रतिष्ठा करके रामनवमी के पर्व की पूजा आरम्भ करते हैं।

रामनवमी का महत्व

रामनवमी के दिन मर्यादा पुरूषोत्तम राम का जन्म हुआ था जिनको भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। त्रेतायुग में अधर्म का नाश करने के लिए भगवान विष्णु ने यह अवतार लिया था। मृत्यु लोक में जन्म लेकर भगवान ने पापी रावण का नाश किया था। चैत्र शुक्ल पक्ष में नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र के समय में इनका जन्म पृथ्वी पर हुआ था। कर्क लग्न में राजा दशरत के घर में राजा राम ने रानी कौशल्या एक गर्व से जन्म लिया था। रामनवमी के दिन को ही वसंत रात्रि का अंतिम दिन माना जाता है। सूर्य भगवान को मर्यादापुर्षोत्तम राम के पूर्वज के रूप में देखा जाता है इसलिए इस दिन सूर्य देव को जल चढ़ाया जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन इस पर्व को रामनवमी के नाम से मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि का यह अंतिम दिन श्री राम को समर्पित है। माता दुर्गा को प्रसन्न करने हेतु इस दिन की गयी पूजा का विशेष महत्व है। नवरात्रि के अंतिम समय को इस पर्व के रूप में मनाया जाता है।

राम नवमी का मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि इस साल 26 मार्च 2026 को सुबह 11:48 बजे से शुरू होकर 27 मार्च 2026 को सुबह 10:06 बजे तक रहेगी। स्मार्त परंपरा के अनुसार राम नवमी 26 मार्च 2026 को मनाई जाएगी, जबकि उदयातिथि को मानने वाले वैष्णव भक्त 27 मार्च 2026 को भगवान राम का जन्मोत्सव मनाएंगे। पंचांग के मुताबिक, 26 मार्च 2026 को राम नवमी का मध्याह्न पूजा मुहूर्त सुबह 11:13 बजे से दोपहर 1:41 बजे तक रहेगा। यही शुभ समय 27 मार्च 2026 को भी पूजा के लिए मान्य रहेगा।

पूजा विधि

रामनवमी के इस त्योहर पर लोग सुबह जल्दी उठ कर भगवान श्री राम की आराधना करना शुरू कर देते हैं। मदिरों को सजाया जाता है। पूजा के समय आसन से उठना उचित नहीं माना जाता है, इसलिए पूर्ण पूजा सामग्री को पहले से ही भक्त अपने समीप रखते हैं। पूजा में तुलसी का पत्ता और कमल के फूल को रखने से भगवान जल्दी प्रसन्न होते हैं। षोडशोपचार पूजा की विधि ही पूजा के लाभ को कई गुना बढ़ा देती है। पूजा के प्रसाद में इस दिन खीर और फलों को दिया जाता है। रामचरितमानस के पाठ की इस दिन विशेष महत्ता है। इस पाठ को इस दिन करने से भक्त सभी कष्टों से मुक्त हो जातें हैं।

हंसना मना है

संता अपनी स्कूल की लड़की को बोला- आई लव यू, अब तुम मुझे बोलो, लड़की- मैं अभी जाकर सर को बोलती हूं। बंता- पगली सर को मत बोल, उनकी तो शादी हो चुकी है।

बीवी- जो आदमी रोज शराब पीकर आये उसके लिए मेरे मन में कोई हमदर्दी नहीं है! पति- जिसको रोज शराब मिल जाये, उसे तुम्हारी हमदर्दी की जरुरत भी नहीं है।

एक दफा एक बादशाह ने खुशी में सब कैदी रिहा कर दिए। उन कैदियों में बादशाह नें एक बहुत ही बुजुर्ग कैदी को देखा.. बादशाह- तुम कब से कैद में हो? बुजुर्ग-आप के अब्बा के दौर से, ये सुन कर बादशाह की आंखों में आंसू आ गए और कहा-इसको दोबारा कैद में डाल दो, ये अब्बा की निशानी है....

भिखारी (अपने बेटे से)- बेटे, यदि हमारी सात लाख की लॉटरी लग गई तो सबसे पहले मकान खरीदूंगा, फिर अपने और तुम सबके लिए नए-नए कपड़े सिलवाऊंगा, इसके अलावा। बेटा - इसके अलावा पापा एक कार खरीद लेना। हम लोग उसमें बैठकर भीख मांगने चला करेंगे, क्योंकि मैं पैदल चलते-चलते थक जाता हूं।

कहानी | भूखा राजा और गरीब किसान

सालों पहले एक नगर का राजा अपने राज्य में रात को अपना रूप बदलकर घूमता था। वो रूप बदलने के बाद लोगों से मिलकर अपने यानी राजा के बारे में जानने की कोशिश करता और उनकी समस्याओं को समझता था। एक रात जब वह नगर घूमकर आया, तो अचानक जोर से बारिश होने लगी। उसने देर किए बिना एक गरीब के घर का दरवाजा खटखटाया। राजा के दरवाजा खटखटाने के बाद घर से एक व्यक्ति निकला। वह एक गरीब किसान था, जो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। बारिश तेज थी, तो किसान ने राजा को अंदर आने के लिए कहा। राजा ने घर में जाने के बाद पूछा, 'क्या आप मुझे कुछ खिला सकते हैं। मुझे बहुत तेज भूख लगी है।' वो गरीब किसान और उसका परिवार 3 दिनों से भूखा था और उसके घर में एक भी दाना अन्न का नहीं था। किसान के मन में हुआ कि भले ही हम भूखे हैं, लेकिन अपने अतिथि को यूं भूखा नहीं रख सकते। अब किसान ये सोच-सोचकर बेचैन हो गया कि अपने अतिथि का पेट कैसे भरा जाए, तभी उसने घर के सामने वाली दुकान से चावल चुराने की तरकीब सोची। उसने सिर्फ अतिथि के लिए ही दो मुट्ठी चावल लिया और उसे पकाकर राजा को खिला दिया। तब तक बारिश रुक गई थी और राजा अपने घर चला गया। दूसरे दिन दुकान का मालिक अनाज की चोरी की शिकायत लेकर राजा के पास पहुंचा। राजा ने दुकान के मालिक और उस गरीब किसान को अपनी सभा में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। सबसे पहले सभा में पहुंचे किसान ने राजा के सामने जाकर अपनी चोरी का इल्जाम कबूल कर लिया और बीती हुई रात की पूरी बात राजा को बता दी। किसान राजा से कहता है कि मैंने चोरी की, लेकिन मेरे परिवार ने उस अनाज का एक निवाला भी नहीं खाया। गरीब किसान की बातें सुनकर राजा बहुत दुखी हुआ और उसने किसान को बताया कि अतिथि के रूप में मैं स्वयं तुम्हारे घर आया था। इसके बाद राजा ने सभा में पहुंचे दुकानदार से पूछा कि क्या आपने अपने पड़ोसी को चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार ने जवाब दिया कि हां मैंने इसे रात में चोरी करते हुए देखा था। दुकानदार की बात सुनने के बाद राजा कहता है कि इस चोरी के लिए मैं पहले जिम्मेदार हूं और फिर दूसरा तुम हो, क्योंकि तुमने अपने पड़ोसी को अनाज की चोरी करते हुए देखा। मगर कभी उसके भूखे परिवार को नहीं देखा। तुम अपने पड़ोसी होने का धर्म बिल्कुल निभा नहीं पाए। इतना कहने के बाद राजा ने दुकानदार को सभा से जाने के लिए कह दिया और किसान की अथिति निष्ठा भाव को देखकर उसे एक हजार सोने के सिक्के इनाम के रूप में दे दिया।

7 अंतर खोजें

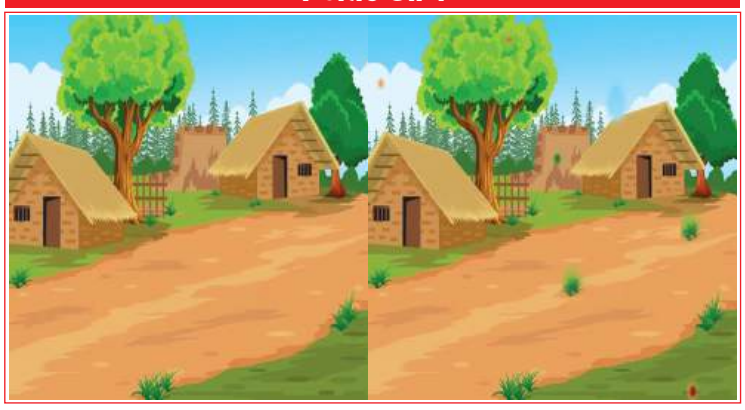

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी।

वृषभ

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन

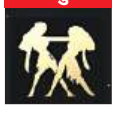

शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कर्क

प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी।

कन्या

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

तुला

शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु

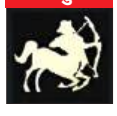

किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा।

मकर

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ

मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

गोलमाल 5 में लीड रोल में होंगे अजय देवगन : अक्षय कुमार

अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म भूत बंगला को लेकर सुर्खियों में हैं। वह गोलमाल 5 का भी हिस्सा होंगे। हाल ही में खबरें आईं कि अक्षय कुमार गोलमाल 5 में लीड रोल में होंगे। इन खबरों पर अक्षय ने रिएक्शन दिया है। रोहित शेट्टी के जन्मदिन पर रिलीज हुए अनाउंसमेंट वीडियो ने इस फ्रेंचाइजी में उनकी एंट्री को लेकर काफी उत्साह पैदा किया। अब एक्टर ने साफ किया है कि फिल्म में लीड एक्टर कौन होगा।

अक्षय कुमार ने कहा, मुझे खुशी है कि मेकर्स को लगा कि मैं गोलमाल 5 का हिस्सा बनने के लिए काफी अच्छा हूं। अजय देवगन ही लीड रोल में हैं। मैं मुख्य किरदार नहीं निभा रहा हूं। मगर इसमें गलत क्या है? मैं फिल्म को सिर्फ एक फिल्म की तरह देखता हूं। कभी यह नहीं सोचता कि मैं उस फिल्म में क्या कर रहा हूं। मेरे लिए, यह ज्यादा जरूरी है कि फिल्म का मकसद क्या है। अगर मुझे कहानी पसंद आती है, तो मैं उसमें काम करूंगा।

जब अभिनेता से पूछा गया कि क्या किसी दूसरे एक्टर की लीड वाली फ्रेंचाइजी में कदम रखने से उन्हें कोई हिचकिचाहट हुई, तो उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा गोलमाल में मेरा रोल बढ़िया है, लेकिन हीरो अजय ही हैं। मुझे कोई असुरक्षा नहीं है।

आपको बता दें कि अजय देवगन और अक्षय कुमार दोनों पहले भी कई बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आ चुके हैं। उन्होंने इंसान, सुहाग, खाकी, सूर्यवंशी और सिंघम अगेन में एक साथ काम किया है। अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें तब्बू, वामिका गब्बी, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे कलाकार हैं।

बॉलीवुड | गपशप

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज हो रही सितारे जमीन पर

आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब आमिर खान की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। जानिए किस प्लेटफॉर्म पर कब रिलीज हो रही है 'सितारे जमीन पर'।

सोनी लिव ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि फिल्म 3 अप्रैल 2026 से उनके प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू हो जाएगी। यह तारीख गुड फाइडे के लंबे वीकेंड के साथ आ रही है। आमिर खान की इस फिल्म को लेकर उनके फैंस बेहद खुश हैं कि अब वह आमिर की फिल्म को ओटीटी पर घर बैठे देख सकेंगे। पहले

आमिर खान ने कहा था कि फिल्म सितारे जमीन पर ओटीटी पर बिल्कुल नहीं आएगी। उन्होंने कहा था कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद इसे सीधे यूट्यूब पर 100 रुपये के किराए पर देखा जा सकेगा। लेकिन अब यह फैसला बदल गया है क्योंकि अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है।

'सितारे जमीन पर' की कहानी

'सितारे जमीन पर' में आमिर खान एक बास्केटबॉल कोच का रोल निभाते नजर आए। उन्हें शराब पीकर गाड़ी चलाने के जुर्म में पकड़ा जाता है और अदालत उन्हें न्यूरोडाइवर्जेंट बच्चों को बास्केटबॉल सिखाने का काम सौंपती है। फिल्म को रिलीज के समय अच्छी समीक्षाएं मिलीं। अब 'सितारे जमीन पर' को दर्शक 3 अप्रैल 2026 को घर बैठे ओटीटी पर देख सकेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

यदि मैं सर्जरी करवायी होती तो सबको बता देती : अलाया एफ

अलाया एफ सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस व ब्यूटी टिप्स अक्सर शेयर करती रहती हैं। अलाया ने हाल ही में मुंबई के एक फैशन शो में रैंप वॉक किया था। इस शो के दौरान उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें आईं। जिस पर अब आलिया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में मुंबई के एक फैशन वीक में रैंप वॉक करने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि अलाया ने अपनी नाक और होंठ की सर्जरी करवा ली है। इस पर अलाया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके जवाब दिया। वीडियो में अलाया ने अपने चेहरे को जूम करके कहा, दोस्तों, कमेंट्स में बहुत लोग कह रहे हैं कि मैंने नाक और होंठ की सर्जरी करवाई है। मैं वादा करती हूं, मैंने कुछ भी नहीं करवाया है। अलाया ने आगे कहा, अगर मैंने सर्जरी करवाई होती तो मैं खुशी-खुशी आपको बता देती। मैं ऐसी नहीं हूं जो बात छुपाऊं या झूठ बोलूं। देखो, नाक वही है, होंठ भी वही हैं। बस रोशनी का फर्क है। अच्छी आदतें, ज्यादा पानी पीना और चेहरे की मालिश से चेहरा अच्छा लग रहा होगा। लेकिन सर्जरी बिल्कुल नहीं हुई है। अलाया ने फिल्म 'जवानी जानमन' से डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने 'फ्रेडी', 'ऑलवेज प्यार विद डीजे मोहब्बत' और 'यू-टर्न' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वह फिल्म 'श्रीकांत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी नजर आई थीं। वह पूजा बेदी और फरहान फर्नीचरवाला की बेटी हैं।

इस देश के थियेटरों में नहीं होता इंटरवल अब धुरंधर 2 ने तोड़ा सदियों पुराना नियम

कनाडा में मूवी थिएटरों का एक पुराना नियम है। यहां फिल्म के दौरान कोई इंटरवल नहीं होता। चाहे फिल्म 2 घंटे की हो या 4 घंटे की, वह लगातार चलती रहती है। दर्शकों को बीच में ब्रेक नहीं मिलता। लेकिन रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त अभिनीत फिल्म धुरंधर 2 ने इस नियम को तोड़ दिया। अदित्य धार द्वारा निर्देशित यह एक्शन थ्रिलर लगभग 4 घंटे (3 घंटे 40 मिनट से 4 घंटे 5 मिनट) की है। कनाडा के सिनिप्लेक्स थिएटरों में इसकी स्क्रीनिंग के दौरान पहली बार 15 मिनट का इंटरवल दिया गया। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। कनाडा के कई निवासियों ने सोशल मीडिया पर अपना रिएक्शन शेयर किया। आपको सबसे पहले बता दें कि आखिर कनाडा में थिएटरों का यह रिवाज क्यों है? इसकी मुख्य वजह है ज्यादा शो लगाना। इंटरवल के बिना एक दिन में ज्यादा स्क्रीनिंग हो सकती हैं, जिससे टिकट बिक्री बढ़ती है। अमेरिका और कनाडा में 1980-90 के दशक तक लंबी फिल्मों में इंटरवल होता था, लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया। अब ज्यादातर फिल्में बिना ब्रेक के चलाई जाती है। यहां तक कि 3 घंटे से ज्यादा की फिल्में जैसे अवतार: द वे ऑफ वॉटर या किलर्स ऑफ द फ्लावर मून भी बिना इंटरवल के दिखाई गई थी लेकिन धुरंधर 2 के मामले में सिनिप्लेक्स ने विशेष इंतजाम किया है। फिल्म की लंबी रनटाइम को देखते हुए दर्शकों को बीच में ब्रेक देने का फैसला लिया गया। जब कनाडा के लोग थियेटर गए तो वहां ब्रेक मिलता देख हैरान रह गए। वायरल वीडियो में कनाडाई दर्शक कह रहे हैं, यह पहली बार हुआ है, बाथरूम ब्रेक के लिए परफेक्ट, बॉलीवुड स्टाइल आ गया। कई लोगों ने इसे 'बेस्ट सरप्राइज' बताया। एक यूजर ने लिखा, मैं 20+ साल से यहां रह रहा हूं, कभी ऐसा नहीं देखा। धुरंधर 2 रणवीर सिंह की बिग बजट एक्शन फिल्म है। यह 2025 की ब्लॉकबस्टर धुरंधर का सीक्वल है और ड्यूलॉजी का दूसरा और अंतिम भाग। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में है। कहानी एक्शन, रिवेंज और इंटेंस ड्रामा से भरी है। भारत में बॉलीवुड फिल्मों में इंटरवल की परंपरा पुरानी है। आमतौर पर 2.5-3 घंटे की फिल्म में 10-15 मिनट का ब्रेक दिया जाता है, जिससे दर्शक पॉपकॉर्न-कोल्ड ड्रिंक खरीद सकें और आराम कर सकें। कनाडा में भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग बढ़ रही है। बॉलीवुड की लोकप्रियता के कारण सिनिप्लेक्स जैसे बड़े चेन अब भारतीय फिल्मों के लिए विशेष शो रख रहे है।

अजब-गजब | इन फलों को खाते ही हो सकती है मौत

ये हैं भारत के सबसे जहरीले फल, इनको खाने से कई लोगों की जा चुकी है जान

फल और सब्जियां स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती हैं, लेकिन भारत में कुछ ऐसे पौधे और फल हैं जो बेहद खूबसूरत दिखते हैं पर इनके अंदर बेहद खतरनाक जहर भरे होते हैं। गलती से इनका सेवन करने पर उल्टी, दस्त, दिल की धड़कन रुकना, बेहोशी और कई मामलों में मौत हो जाती है। आज हम भारत में उगने वाले ऐसे ही पांच खतरनाक और जहरीले फलों की जानकारी आपको देने जा रहे हैं।

सुसाइड ट्री: जहरीले फलों में सबसे मशहूर है सेरेब्रा ओडोल्लम जिसे सुसाइड ट्री या पोंग-पोंग ट्री कहा जाता है। केरल में यह पौधा प्लांट पॉइजनिंग के 50 प्रतिशत मामलों और कुल पॉइजनिंग के 10 प्रतिशत का कारण बनता है। 1989 से 1999 के बीच केरल में अकेले इस पौधे से 537 मौतें दर्ज हुई थी।

यह पेड़ मुख्य रूप से केरल, तमिलनाडु और भारत के तटीय इलाकों में पाया जाता है। इसका फल आम या आडू जैसा दिखता है, लेकिन अंदर बड़ा बीज होता है जिसमें सेरेब्रिन नाम का कार्डियक ग्लाइकोसाइड होता है। एक बीज भी खाने से दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है, ब्रैडीकार्डिया होता है और मौत हो सकती है। स्वाद को मसालों से छिपाया जा सकता है, इसलिए यह

सुसाइड और हत्या दोनों में इस्तेमाल होता है। केरल में हर हफ्ते औसतन एक मौत इसकी वजह से होती रही है। डॉक्टरों के मुताबिक डिटेक्शन मुश्किल होने से कई केस अनदेखे रह जाते हैं।

रत्ती या गुंजा: छोटे-छोटे लाल-काले बीज जो मोती जैसे चमकदार दिखते हैं। इन्हें जेवर बनाने में भी इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इनके अंदर एब्रिन नाम का जहर होता है जो सांप के जहर से भी ज्यादा खतरनाक है। एक-दो चबाए हुए बीज खाने से प्रोटीन संश्लेषण रुक जाता है, कोशिकाएं मरने लगती हैं, उल्टी, दस्त, लीवर और किडनी फेलियर होता है। बच्चों और युवाओं में गलती से या सुसाइड के लिए इस्तेमाल होने के कई केस सामने आए हैं। पूरे बीज निगलने पर कम नुकसान होता है, लेकिन चबाने पर घातक साबित होता है।

धतूरा: कांटेदार फल और सफेद-बैंगनी फूल वाला पौधा। बीज और पत्तियां ट्रोपेन एल्कलॉइड्स (स्कोपोलामाइन, हायोसायामाइन) से भरी होती है। गलती से खाने या चाय में मिलाकर दिए जाने पर हेलुसिनेशन, तेज बुखार, दिल की धड़कन तेज होना, बेहोशी और सांस लेने में दिक्कत होती है। भारत में प्राचीन समय से ही धतूरा को जहर और अफीम के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ठगों द्वारा यात्रियों को बेहोश करने के लिए भी इसका इस्तेमाल होता था।

कनेर: गुलाबी, सफेद या पीले फूलों वाला यह पौधा भारत में बेहद कॉमन है। इसकी पत्तियां, फूल और छाल में ओलियंड्रिन जैसे कार्डियक ग्लाइकोसाइड होते है। एक पत्ता भी चबा लेने पर दिल संबंधी समस्या, उल्टी और मौत हो सकती है। केरल में हाल ही में एक महिला की मौत कनेर के पत्ते और फूल चबाने से हुई थी। यह पौधा देखने में सुंदर है लेकिन बच्चों और पालतू जानवरों के लिए बेहद खतरनाक है।

कमल ने तमिलनाडु के कल्याण के लिए एक बड़ा बलिदान दिया : स्टालिन

डीएमके को एमएनएम का बिना किसी शर्त के समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में एक बड़ा मोड़ आया है। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की पार्टी एमएनएम ने इस बार चुनाव न लड़ने का साहसिक निर्णय लिया है। सीटों के बंटवारे और चुनाव चिह्न (उगता सूरज) पर असहमति के बावजूद, कमल हासन ने व्यक्तिगत हितों को किनारे रखकर डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन को बिना किसी शर्त के समर्थन देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने हासन के इस कदम को तमिलनाडु के कल्याण के लिए एक बड़ा बलिदान बताया है। इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य राज्य में द्रविड़ मॉडल 2.0 सरकार की वापसी सुनिश्चित करना है। यह घोषणा तब हुई जब डीएमके और उसके सहयोगियों ने सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया था, जिसमें गठबंधन के सहयोगियों के बीच निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे की रूपरेखा तय की गई थी।

कमल ने कहा कि पार्टी को दी गई सीटों की संख्या और डीएमके के उगता सूरज चुनाव चिह्न के तहत चुनाव लड़ने के प्रस्ताव से पार्टी संतुष्ट नहीं थी। हासन ने कहा, मौजूदा चुनौतीपूर्ण राजनीतिक माहौल में, हमें दी गई सीटों की संख्या और उगता सूरज चुनाव चिह्न के तहत चुनाव लड़ने का सुझाव न तो मुझे और न ही मक्कल निधि मय्यम के सदस्यों को मंजूर है। हासन ने कहा, इसलिए, हम खुले तौर पर और साफ़-साफ़ घोषणा करते हैं कि मक्कल निधि मय्यम 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में सीधे तौर पर चुनाव नहीं लड़ेगी, और डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवारों को बिना किसी शर्त के समर्थन देगी।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि कमल हासन ने व्यक्तिगत रूप से अन्ना अरिवलयम में उनसे मुलाक़ात की और उन्हें बताया कि एमएनएम आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी, बल्कि डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवारों को बिना किसी शर्त के समर्थन देगी। स्टालिन ने एक पोस्ट में कहा हमने सिर्फ़ दो राजनीतिक आंदोलनों के नेताओं के तौर पर ही नहीं, बल्कि अच्छे दोस्तों के तौर पर बातचीत की और अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 'यह कोई बलिदान नहीं, बल्कि एक फ़र्ज़ है' — लेकिन असल में, उन्होंने जो किया है, वह सचमुच एक बलिदान है।

डीएमके की सत्ता में वापसी होगी : कमल हासन

पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, हासन ने कहा कि यह फ़ैसला उनकी भावनाओं और विश्वास को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा, आपमें से हर कोई निस्वार्थ राजनीति का एक जीता-जागता उदाहरण है। यह फ़ैसला आपकी भावनाओं और आपके विश्वास के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने डीएमके की सत्ता में वापसी पर भी भरोसा जताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि वे जल्द ही मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से मिलेंगे और उनके शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें बधाई देंगे।

पलानीस्वामी ने जारी किया एआईडीएमके का घोषणापत्र

चेन्नई। एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। इसमें विपक्षी पार्टी द्वारा राज्य में सत्ता पुनः प्राप्त करने के प्रयास में प्रमुख वादों और नीतिगत प्राथमिकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। अपने चुनावी वादों को आगे बढ़ाते हुए, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम ने कहा कि वह चावल राशन कार्ड धारक महिला परिवार प्रमुखों को मुफ़्त रेफ्रिजरेटर प्रदान करेगी, जो राज्य भर के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी उपाय है। पलानीस्वामी ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम पर तीखा हमला करते हुए सरकार पर चेन्नई में कमीशन, वसूली और भ्रष्टाचार का शासन चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके के शासनकाल में भ्रष्टाचार एक व्यवस्थित समस्या बन गया था। घोषणापत्र में बैंकों से लिए गए शिक्षा ऋणों को माफ करने का भी वादा किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य भर के छात्रों और युवा स्नातकों पर वित्तीय बोझ को कम करना है। इसके अलावा, पार्टी ने आश्वासन दिया कि बुजुर्गों और अन्य लाभार्थियों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दी जाएगी। अन्नाद्रमुक ने अपने चुनावी घोषणापत्र में, चावल राशन कार्ड रखने वाले परिवार की महिला प्रमुखों को मुफ़्त रेफ्रिजरेटर देने का वादा किया। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी 25 मार्च से तीन दिनों तक चेन्नई और उसके आसपास के इलाकों में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अन्नाद्रमुक ने बताया कि पलानीस्वामी बुधवार को चेन्नई के मायलापुर में भी चुनाव प्रचार करेंगे।

सीवर टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से पिता-पुत्र की मौत

» भीतर उतरते ही हुए थे बेहोश, परिजन बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के गूबा गार्डन इलाके अंतर्गत सीवर टैंक की सफाई करने उतरे पिता और पुत्र की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, जावेद और उनका पुत्र आकिब कल्याणपुर क्षेत्र में एक सीवर टैंक की सफाई करने के लिए उतरे थे। टैंक के भीतर जमा जहरीली गैस का प्रभाव इतना तीव्र था कि दोनों मजदूर देखते ही देखते बेहोश हो गए। जब काफी देर तक अंदर से कोई हलचल नहीं हुई, तो स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी।

हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर भारी पुलिस बल के साथ सीएफओ दीपक शर्मा, डीसीपी, एसीपी, स्थानीय थाना प्रभारी, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद दोनों को टैंक से बाहर निकाला गया और तुरंत एम्बुलेंस के जरिए हैलट अस्पताल भेजा गया। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद पिता-पुत्र दोनों को मृत घोषित कर दिया। कल्याणपुर के एसीपी आशुतोष यादव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण सीवर टैंक के अंदर मौजूद जहरीली गैस का रिसाव लग रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है कि क्या सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। इस घटना ने एक बार फिर सीवर सफाई के दौरान सुरक्षा उपकरणों की अनिवार्यता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अपने ही की चौखट से दूर हुआ कलाकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। कभी अपनी बांसुरी की धुनों से देश-विदेश के हजारों लोगों को मंत्रमुग्ध कर देने वाले रेडियो के ए वन कलाकार आज अपने ही घर में रहने को तरस रहा है। आज कई मुश्किलों से गुजर रहे बांसुरी वादक मोहनलाल कुंवर को अपने ही लोगों ने उनको वाराणसी के उस घर से बेघर कर दिया है जहां उन्होंने जन्म लिया, अपने दादा-पिता से बांसुरी सीखी और बचपन बिताया। पूरी दुनिया में बांसुरी से देश का नाम रोशन करने वाले मोहनलाल अपनी बीमार पत्नी के साथ वर्तमान में लखनऊ में रहकर जीवनयापन कर रहे हैं।

वाराणसी के अधिकारियों के यहां कई बार गुहार लगा चुके मोहनलाल व उनकी पत्नी ने अपने को न्याय दिलाने के लिए पीएम व सीएम से मांग की है। यूपी व देश के कई नाम गिरामी

अवार्डों से सम्मानित व लखनऊ रेडियो में कई वर्षों की सेवा देने के बाद मोहनलाल कुंवर आज अपने पैतृक शहर वाराणसी में अपने ही पैतृक घर में एक कमरे के लिए तरस रहे हैं। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद जब वह अपने परिवार के साथ अपने घर पहुंचे तो

» मशहुर बांसुरी वादक पं. मोहनलाल कुंवर के पैतृक निवास पर कब्जा

पता चला उनके घर पर कब्जा हो गया है। हालांकि वह कब्जा उनके अपने रिश्तेदारों ने ही कर लिया। रिश्तेदारों ने दतावेजों में हेर-फे र कर नगरनिगम व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर उनके आवास पर कब्जा जमा लिया है। वह बीमारी की अवस्था में कई बार-बार वाराणी के चक्कर लगा चुके हैं पर उनकी कोई सुनने वाला नहीं हैं। तुर्रा ये कि उन्हें वहां जाने पर धमकी मिलती है कि अगर वह वहां दुबारा गए तो उनका हाथ पैर तोड़ दिया जाएगा। अब इस बुजुर्ग कलाकार ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री से अपने पैतृक आवास को खाली करवाने की मांग की है।

सोनिया की तबीयत बिगड़ी अस्पताल में भर्ती, साथ में रहे राहुल और प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। उन्हें दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोनिया गांधी को फेफड़े से संबंधित समस्या के कारण अस्पताल में दाखिल किया गया है। उनके साथ उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी अस्पताल में मौजूद हैं। परिवार के सदस्य उनकी सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

अस्पताल प्रशासन ने उनकी वर्तमान स्थिति को स्थिर बताया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनकी देखरेख कर रही है। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं में उनकी सेहत को लेकर चिंता का माहौल है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

रिंकू सिंह बने केकेआर के उपकप्तान

» आईपीएल से पहले टीम प्रबंधन ने लिया बड़ा फैसला रहाणे बने रहेंगे कप्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तीन बार की चैंपियन केकेआर ने आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने से पहले बड़ा फैसला लिया है। टीम प्रबंधन ने विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को उपकप्तान नियुक्त किया है और यह स्पष्ट किया है कि अजिंक्य रहाणे कप्तान बने रहेंगे। रिंकू को उपकप्तान बनाने का फैसला यह संकेत दे रहा है कि फ्रेंचाइजी नेतृत्व को लेकर दीर्घकालिक प्लान पर आगे बढ़ चुकी है। आईपीएल के आगामी सीजन से पहले केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, रिंकू उपकप्तान के तौर पर कप्तान रहाणे के साथ मिलकर करीब से काम करेंगे।

टीम के नए मुख्य कोच अभिषेक नायर ने भी इस फैसले का समर्थन किया। नायर ने कहा, पिछले कई वर्षों से पहले मैंने उन्हें लीडर के तौर पर विकसित होते हुए देखा है। वह ऐसे हैं जिन पर टीम की हमेशा नजर रहती है। हम रिंकू को थोड़ी जिम्मेदारी देना चाहते हैं। टी20 विश्वकप जीतने के बाद मुझे लगता है कि यह जिम्मेदारी सौंपने का यह सही समय है। सीजन से पहले केकेआर ने कोलकाता में इवेंट रखा। इस दौरान रहाणे और रिंकू को एक साथ मंच पर बुलाया गया। जब रिंकू मंच पर आए तो कुछ फैंस ने रिंकू को कप्तान बनाने की मांग की। यह दर्शाता है कि केकेआर में रिंकू का क्रेज कितना अधिक है। केकेआर की पूरी टीम इस इवेंट में मौजूद रही। तेज गेंदबाज सौरभ दुबे को सबसे पहले मंच पर बुलाया गया और फैंस से उनका परिचय कराया गया। सौरभ चोटिल आकाश दीप की जगह टीम से जुड़े हैं। केकेआर आईपीएल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत 29 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। टीम इसके लिए बुधवार को मुंबई रवाना होगी।

दिल्ली को लगा झटका बेन डकेट ने आईपीएल से नाम लिया वापस

लंदन। दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल का आगामी सीजन शुरू होने से पहले ही झटका लगा है। इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने आईपीएल 2026 से हटने का फैसला लिया है। डकेट को दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल हुई मिनी नीलामी में दो करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन अब घर पर समय बिताना चाहते हैं और लाल गेंद के क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। आईपीएल के नियमनुसार, डकेट पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है। यानी डकेट अब 2027 और 2028 आईपीएल सीजन में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। डकेट ने कहा, यह बहुत कठिन निर्णय था और मैं दिल्ली में सभी से माफी मांगना चाहता हूं कि मैं नहीं आ पाऊंगा। जब मैंने नीलामी में अपना नाम दर्ज कराया था, तब मुझे लगा था कि यह एक शानदार अवसर होगा और दिल्ली जैसी फ्रेंचाइजी द्वारा मुझे चुनना अद्भुत था। मैं बेहद खुश था। यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिता है जिसमें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं और यह एक अद्भुत अनुभव होता।

पश्चिम एशिया के जंग में ट्रंप के तेवर पड़े ढीले

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान से वार्ता शुरू करने का दिया प्रस्ताव, अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जंग आज का 26वां दिन

» अमेरिकी क्रूज मिसाइलों को मार गिराया

» इजरायल बोला-तेहरान से आने वाली मिसाइलों को रोक दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग आज 26वें दिन में पहुंच गई है। उधर दोनों गुट अपने-अपने दावे कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हमने यह युद्ध जीत लिया है। ईरान पूरी तरह कमजोर हो चुका है। पर ईरान ने इससे इंकार किया है।

इसबीच ट्रंप का पांच दिन तक ऊर्जा के लिए विराम लेने का फैसला बता रहा है कि वह अब पीछे हट रहे। अमेरिका ने दावा किया वह ईरान के साथ बातचीत करने के लिए आगे बढ़ रहा है। इस बीच इजरायल की सेना ने कहा है कि उन्होंने तेहरान से आने वाली मिसाइलों को रोक दिया है। इस बीच खबर ये भी है कि ईरान ने लड़ाई राकने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति पर शर्तें थोप दी हैं।

पाकिस्तान ने सऊदी अरब से बात की

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने ईद-उल-फित्र की बधाई दी और क्षेत्रीय तनाव पर चर्चा की। शहबाज ने सऊदी अरब पर हाल के हमलों की मजबूत निंदा की और कहा कि पाकिस्तान इन मुश्किल वक्त में सऊदी अरब के साथ पूरी एकजुटता और अटूट समर्थन में खड़ा है। उन्होंने सऊदी अरब के सब्र की सराहना की और तुरंत डि-एस्केलेशन, शत्रुता खत्म करने और मुस्लिम उम्माह में एकता की जरूरत पर जोर दिया।

ईरान ने खार्ग द्वीप पर एफपीवी ड्रॉन्स से लैस सैनिक किए तैनात

ईरान ने खार्ग द्वीप पर तैनात सैनिकों को एफपीवी ड्रॉन्स से लैस कर दिया है, जो रूस-यूक्रेन युद्ध में अपनी घातक प्रभावशीलता दिखा चुके हैं। ये ड्रोन्स किसी भी ईरानी और अमेरिकी जमीन पर तैनात सैनिकों के बीच टकराव को अब एकतरफा नहीं रहने देंगे। ईरान के इस कदम से पता चलता है कि वे अपने सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, खासकर खार्ग द्वीप जैसे रणनीतिक स्थानों पर. खार्ग द्वीप ईरान के तेल निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है और अमेरिकी सेना के साथ संभावित टकराव के लिए ईरान की तैयारी को दर्शाता है।

इजराइल के दक्षिण लेबनान में हमले के बाद 9 की मौत

लेबनान की स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से बताया कि इजरायल के हमलों में दक्षिणी सिदोन इलाके के अदलौन शहर में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। कुल मिलाकर इस क्षेत्र में छह से ज्यादा लोगों की जान गई। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे इजरायली दुश्मन का हमला बताया है। ये हमले ईरान-इजराइल-अमेरिका संघर्ष के बीच लेबनान को भी प्रभावित कर रहे हैं। इजराइल का दावा है कि ये हमले हिजबुल्लाह जैसे ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए, लेकिन स्थानीय मीडिया में नागरिकों के मारे जाने की खबरें आ रही हैं। इस संघर्ष में लेबनान में अब तक सैकड़ों लोग प्रभावित हो चुके हैं।

तेल अवीव में गिरी मिसाइलें

तेल अवीव पर एक ईरानी मिसाइल गिरने से छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार, लगभग 100 किलोग्राम विस्फोटक ले जा रहा एक गोला मध्य तेल अवीव में गिरा। इस हमले में कई इमारतों और वाहनों को नुकसान पहुंचा। मिसाइल के कुछ हिस्से तेल अवीव के पूर्व में स्थित रोश हा यिन में भी गिरे।

ट्रंप ईरान से युद्ध में नाकाम हो रहे

ईरान संघर्ष के दौरान ट्रंप प्रशासन लगातार विरोधी संदेश दे रहा है, जिसमें कभी युद्ध को समेटने तो कभी ईरान के बिजली संयंत्रों को नष्ट करने की धमकियां शामिल हैं। हालिया विवाद होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी को लेकर है, जिसने वैश्विक तेल कीमतों और अर्थव्यवस्था को संकट में डाल दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्पष्ट लक्ष्य की कमी और ईरान की युद्ध क्षमता के गलत आकलन की वजह से ही युद्ध ट्रंप के नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है। सैन्य अभियान में अब तक अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर ढेरों बम बरसाए हैं और उसके शीर्ष नेतृत्व, जिसमें सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और अली लारिजानी जैसे नाम शामिल हैं, को निशाना बनाया। जवाब में ईरान ने भी इस्राइल और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर वार किए और उसे बड़े सैन्य और आर्थिक नुकसान पहुंचाए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही ईरानी शीर्ष नेतृत्व से बातचीत की बात कहते हुए इस हफ्ते ईरान के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाने का आदेश टाल दिया हो, लेकिन पश्चिम एशिया में संघर्ष का दौर अभी भी जारी है।

इजराइली ठिकानों पर हमलों की 80वीं लहर चलाई

वहीं ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उन्होंने अमेरिकी और इजराइली ठिकानों पर हमलों की 80वीं लहर चला दी है। इस बीच इजरायल ने तेहरान पर हमला किया, जिसमें एक आवासीय इलाका भी प्रभावित हुआ। ईरानी हवाई सुरक्षा व्यवस्था ने तेहरान के पास और मरकजी प्रांत में अमेरिकी क्रू ज मिसाइलों को मार गिराया। आईआरजीसी की एडवांस्ड एयर डिफेंस सिस्टम ने दो मिसाइलों को सफलतापूर्वक तबाह कर दिया। ईरान का कहना है कि यह हमले उनकी एकीकृत राष्ट्रीय हवाई सुरक्षा नेटवर्क के तहत किए गए। ईरान के मुताबिक, इन हमलों में ठोस और तरल ईंधन वाली प्रिसीजन मिसाइलों के साथ ड्रोन भी इस्तेमाल किए गए। अमेरिकी बेस जैसे अली अल-सेलेम, अरिफजान, अल-अज़क और शेख ईसा को भी टारगेट किया गया। ईरान इस पूरे अभियान को अपनी जवाबी कार्रवाई बता रहा है।

ईरान ने वार्ता के लिए ट्रंप के सामने रख दी कड़ी शर्त

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वार्ता पुनः शुरू करने के प्रस्ताव के जवाब में, ईरान ने कथित तौर पर कई व्यापक मांगें रखी हैं, जिनमें खाड़ी में अमेरिकी सैन्य अड्डों को बंद करना, प्रतिबंधों को समाप्त करना और एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर नियंत्रण हासिल करना शामिल है। यह तब हुआ जब तेहरान ने सार्वजनिक रूप से वाशिंगटन के चल रही वार्ताओं के दावों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच किसी समझौते की कोई संभावना नहीं है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान ने स्पष्ट किया है कि युद्धविराम समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने की शर्तें अभी भी कठिन हैं, भले ही दोनों पक्षों के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत शुरू हो रही हो। ईरानी प्रतिनिधियों ने खाड़ी में सभी अमेरिकी ठिकानों को बंद करने, युद्धकालीन नुकसान के लिए वित्तीय मुआवज़ा देने और हिज़्बुल्लाह के खिलाफ इज़राइल के अभियान को समाप्त करने की मांग की है। उन्होंने एक ऐसे ढांचे की भी मांग की है जो ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की अनुमति देगा, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन मार्गों में से एक है। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने देश के नेतृत्व में अपनी शक्ति मजबूत कर ली है और इन मांगों को आगे बढ़ा रहा है। एक अन्य प्रमुख शर्त में होर्मुज जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने वाली एक नई व्यवस्था शामिल है जो प्रभावी रूप से इसे ईरानी नियंत्रण में ला देगी, साथ ही यह ठोस गारंटी भी कि शत्रुता फिर से शुरू नहीं होगी। ईरान ने संघर्ष को समाप्त करने के लिए किसी भी समझौते के हिस्से के रूप में सभी प्रतिबंधों को हटाने पर भी जोर दिया है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा